कृषि विज्ञान केन्द्र

गांधी विद्या मंदिर, सरदारशहर, चूरू (राज.)

ई–न्यूज लेटर

सितम्बर 2024, अंक 5

जल शक्ति अभियान के अन्तर्गत बैठक का आयोजन

दिनांक 7 अगस्त 2024 को जिला कलेक्टर सभागार, चूरू में जिला कलेक्टर पुष्पा सत्यानी की अध्यक्षता में बैठक का आयोजन किया गया । इस बैठक में वाटरशेड, नगरपरिषद्, स्वास्थय विभाग, जन स्वास्थय अभियांत्रिकी विभाग, कृषि विज्ञान केन्द्र, कृषि विभाग, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग सहित अन्य विभाग के अधिकारियों ने भाग लिया । जिले में जल शक्ति अभियान कैच द रैन विषय के वर्ष में वर्षा जल को बचाने और सरंक्षित करने व जल बचत अभियान को जन आंदोलन बनाने के लिए जल संचयन के कार्यों में अधिक से अधिक महिलाओं की भागीदारी को सुनिश्चित करने के लिए अभियान चलाये जाने पर विषय पर विस्तृत चर्चा की गई ।

निकरा परियोजना के अन्तर्गत प्रशिक्षण का आयोजन

निकरा परियोजना अन्तर्गत स्वच्छ दुग्ध उत्पादन का महत्व एवं विधियॉ विषय पर दिनांक 8.8. 2024 को एक दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन गांव मीतासर में किया गया जिसमें कुल 24 पशुपालकों ने भाग लिया। 20 पशुपालकों को वर्षा ऋतु में थनैला रोग की रोकथाम हेतु **Teat dip cup** प्रदर्शन के रूप में उपलब्ध करवाये गये ।

नर्सरी प्रबंधन विषय पर प्रशिक्षण

आईसीएआर (ICAR) के द्वारा 100 दिवसीय कार्य योजना दक्षता प्रशिक्षण कार्यक्रम के अन्तर्गत केन्द्र पर ग्रामीण युवाओं एवं कृषकों के लिये नर्सरी प्रबंधन विषय पर दिनांक 12 से 17 अगस्त 2024 तक पांच दिवसीय संस्थागत प्रशिक्षण का आयोजन परिसर में किया गया । इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य ग्रमीण युवाओं को कृषि संबंधित स्वरोजगार की गतिविधियों से जोडकर स्वावलम्बी बनाना था । प्रशिक्षण दौरान श्री अजय कुमावत द्वारा नर्सरी प्रबंधन के महत्व एवं पौध प्रर्वधन की प्रमुख विधियों तथा अनार, अमरूद, नींबू, बेर नीम आदि पौधों को लगाने की विधियों का प्रायोगिक कार्य करवाया गया। प्रशिक्षण समापन के अंतिम दिन केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. वी.के.सैनी द्वारा केन्द्र की एवं जिले की बागवानी फसलों की स्थिति पर चर्चा करते हुए प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण पत्र वितरित भी प्रदान किये गये ।

मूंगफली की फसल में उर्वरक प्रबंधन विषय पर एक दिवसीय असंस्थागत प्रशिक्षण का आयोजन

राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन (NFSM) द्वारा प्रायोजित कलस्टर अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन के अन्तर्गत मूंगफली उत्पादन बढाने हेतु मूंगफली की फसल में उर्वरक प्रबंधन विषय पर एक दिवसीय असंस्थागत प्रशिक्षण का आयोजन सुजानगढ तहसील के ग्राम गेडाप में 14 अगस्त 2024 को किया गया, जिसमें 23 कृषक व कृषक महिलाओं ने भाग लिया । चूरू जिले की परिस्थितियों के अनुरूप कृषकों को प्रशिक्षण के दौरान मूंगफली की फसल में पीलापन के प्रबंधन हेतु किसानों को फेरस सल्फेट 0.5 प्रतिशत व साईट्रिक एसिड(नींबू का सत) 0.1 प्रतिशत प्रति लीटर पानी में घोलकर मूंगफली की फसल में छिडकाव की विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई ।

पशुओं के लिए कृमि नाशक शिविर का आयोजन

दिनांक 14.8.2024 को सुजानगढ तहसील के गांव गेडाप में अनुसूचित जाति उप परियोजना अन्तर्गत पशुओं के डीवर्मिंग कैंप का आयोजन किया गया जिसमें 19 पशुपालकों की भेड–बकरियों को अन्तः व बाह्य परजीवियों की रोकथाम व गाय–भैंस के अन्त परजिवियों की रोकथाम हेतु कैंप का आयोजन किया गया, जिसमें 3 महिला पशुपालक व 16 पुरूष पशुपालकों की 15 गाय, 27 भैंस, 167 भेड व 191 बकरियों को दवा पिलाई गई। मानसून के समय में पशु चरने के लिए चारागाह में चरने जाते है वहां परजिवियों के लार्वा चारे के साथ खाने से प्रकोप हो जाता है । इसके प्रबंधन हेतु सभी को सलाह दी गई।

मूंग में फली छेदक प्रबंधन विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

केन्द्र द्वारा दिनांक 23.8.24 को सरदारशहर तहसील के गांव पातलीसर में मूंग में फली छेदक प्रबंधन विषय पर असंस्थागत प्रशिक्षण कार्यक्रम हुआ, जिसमें 20 किसान व किसान महिलाओं को फलीछेदक की पहचान, उससे होने वाले नुकसान तथा प्रबंधन की जानकारी दी गई । प्रशिक्षण के दौरान फलीछेदक प्रबंधन हेतु (इमामेक्टिन बेजोंयेट 0.5 ग्राम/प्रति लीटर छिडकाव की सलाह दी गई ।

बेर बगीचे की स्थापना

केन्द्र द्वारा दिनांक 24.08. 2024 को गांव बरलाजसर, सरदारशहर एवं हुडेरा, रतनगढ में कुल पांच कृषकों को बेर के बगीचे की स्थापना हेतु बेर की गोला किस्म के पौधे प्रदर्शन के रूप में दिये गये । बेर के पौधे उपलब्ध कराने के उपरान्त केन्द्र के विषय वस्तु विशेषज्ञ श्री अजय कुमावत ने कृषकों के खेत पर बगीचे को लगाने हेतु रेखाकंन अनुरूप पौधे लगवाने का प्रायोगिक कार्य भी करवाया । साथ ही फल बगीचे में पौधे लगाने के बाद पोधे से पोधे के बीच खाली पडी जमीन में अन्तर्वतीय फसले लगाने के लिये प्रेरित किया ताकि किसान को फल बगीचे की प्रारंभिक अवस्था में कुछ आमदनी होती रहे ।

संतुलित भोजन द्वारा एनिमिया प्रबंधन विषय पर प्रशिक्षण का आयोजन

केन्द्र द्वारा दिनांक 24 अगस्त 2024 को गांव बरलाजसर में संतुलित भोजन द्वारा एनिमिया प्रबंधन विषय पर प्रशिक्षण का आयोजन किया जिसमें गांव की 27 महिलाओं एवं युवतियों ने भाग लिया । कार्यक्रम संयोजन डॉ. रमन जोधा ने सभी महिलाओं को आहार प्रबंधन हेतु भोजन की थाली में हरी पत्तेदार सब्जियों (जैसे–पालक, बथुआ, मैथी, सरसों, मूली, सलाद के पत्ते, सलजम) व दालों में (काला चना, चने की दाल, उडद, मूंग, मोठ, चवला, सोयाबीन, सूखे मटर) अन्य सब्जियों एवं फलों (आंवला, संतरा, अमरूद, नींबू, अनार, अंगूर) के समावेश एवं अंकुरित अनाजों को संतुलित मात्रा में सेवन करने हेतु प्रोत्साहित किया । कार्यक्रम के दौरान विधि प्रदर्शन द्वारा अंकुरित अनाजों के प्रोटीन युक्त व्यंजन बनाकर प्रशिक्षणार्थियों को सिखाया गया ।

करोंदे के परीरक्षण एवं मूल्यसवंर्धन विषय पर प्रशिक्षण

आईसीएआर (ICAR) के द्वारा 100 दिवसीय कार्य योजना दक्षता प्रशिक्षण (Skill Training) अन्तर्गत केन्द्र पर ग्रामीण महिलाओं एवं युवतियों हेतु दिनांक 28 अगस्त से 01 सितम्बर 2024 तक पांच दिवसीय संस्थागत प्रशिक्षण का आयोजन परिसर में किया गया । इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य ग्रमीण युवतियों एवं महिलाओं को स्व रोजगार हेतु प्रेरित करना था । प्रशिक्षण दौरान कार्यक्रम संयोजक डॉ. रमन जोधा द्वारा प्रशिक्षणार्थियों को पोषण संबंधित मूल्यों की जानकारी दी गई एवं विधि प्रदर्शन द्वारा करोंदे का आचार, चटनी, मुरब्बा एवं जैम आदि का प्रायोगिक प्रशिक्षण दिया गया ।

मासिक प्रतिवेदन कार्यशाला में प्रस्तुतीकरण

दिनांक 29.8.2024 को कृषि अनुसंधान केन्द्र, बीछवाल, बीकानेर के सभागार में जोन–प्रथम सी (IC) के कृषि विभाग, उधान विभाग, आत्मा एवं कृषि विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिकों की मासिक प्रतिवेदन कार्यशाला का आयोजन किया गया । जिसमें कृषि विज्ञान केन्द्र के विषय वस्तु विशेषज्ञ (सस्य विज्ञान) श्री हरीश कुमार रछौया द्वारा अगस्त माह में किये गये कार्यो (प्रशिक्षणों, प्रदर्शनों, प्रसार गतिविधियों) का पॉवर पॉईंट के माध्यम से प्रस्तुतीकरण किया गया ।

सितम्बर माह में किये जाने वाले कृषि कार्य

1. बाजरा की फसल को अरगट रोग से बचाने के लिए जाइनेब ढाई किलो या मैन्कोजेब दो किलो प्रति हैक्टेयर की दर से तीन–तीन दिन के अन्तर पर 2 बार छिडकाव करें ।
2. मूंगफली की फसल में बादल छाये रहने के कारण टिम्का रोग के फैलने की संभावना है । इस रोग की रोकथाम हेतु रोग के लक्षण दिखाई देते ही कार्बेन्डाजिम 0.5 ग्राम प्रति लीटर पानी के घोल का छिडकाव करें ।
3. किसान भाई मूंगफली की खडी फसल में सफेद लट के प्रबंधन के लिए क्यूनालफॉस 25 ई.सी. 4 लीटर प्रति हैक्टेयर की दर से 80–100 ग्राम मिट्टी में मिलाकर प्रयोग करें ।
4. ग्वार, मूंग, मोठ में रस चूसने वाले कीडों (सफेद मक्खी, तेलिया, जेसिड) की रोकथाम हेतु फसल पर थायोमिथोक्साम 0.5 ग्राम या इमिडाक्लोप्रिड 0.5 मिली/प्रति लीटर पानी में मिलाकर छिडकाव करें ।
5. ग्वार में झुलसा रोग की रोकथाम हेतु प्रति 10 लीटर पानी में कोपर ऑक्सीक्लोराइड 30 ग्राम स्ट्रप्टोसाइक्लिन 2 ग्राम व थायोमिथोक्साम 5 ग्राम को मिलाकर फसल पर सुवह या शाम को छिडकाव करें ।

संकलनकर्ता	संपादक	प्रकाशक
श्री मुकेश शर्मा (पौध सरंक्षण विशेषज्ञ) श्री हरीशकुमार रछौया (फसल उत्पादन विशेषज्ञ) श्री श्याम बिहारी (पशुपालन विशेषज्ञ) श्री अजय कुमावत (बागवानी विशेषज्ञ) श्री रमेश चौधरी (वरिष्ठ अनुसन्धान अध्येता-NICRA)	डॉ. रमन जोधा (विषय वस्तु विशेषज्ञ गृह विज्ञान) **Designed** श्री सुनील कुमार वी.वी.,स्टैनो **Typed** श्री ओ.पी.शर्मा, टाइपिस्ट	डॉ. वी. के. सैनी वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख कृषि विज्ञान केन्द्र, सरदारशहर,चूरू–I